Bhopal, Wednesday 13-April-2016

मध्यप्रदेश में बाघ बढ़े, लेकिन पेंच, सतपुड़ा में घटे

भारतीय वन्यजीव संस्थान देहरादून ने जारी किए आकड़े

पीपुल्स संवाददाता ● भोपाल
editor@peoplessamachar.co.in

सक्रिय वन्य-प्राणी प्रबंधन के फलस्वरूप मध्य प्रदेश में बाघों की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। भारतीय वन्य-जीव संस्थान, देहरादून की गणना के अनुसार वर्ष 2006 में प्रदेश में 300 बाघ थे, जो वर्ष 2010 में 257 हो गये। पुनः वर्ष 2014 में बढ़कर 308 हो गये, जिनमें से 237 बाघ प्रदेश के टाइगर रिजर्व में और 71 बाघ टाइगर रिजर्व के बाहर हैं। इसी रिपोर्ट के अनुसार पेंच और सतपुड़ा नेशनल पार्क में बाघ की संख्या कम हुई है। पेंच नेशनल पार्क में लगातार हो रही बाघ के मौतों से पार्क प्रबंधन पर सवाल खड़े होने लगे हैं।

नई दिल्ली में गत सोमवार को भारतीय वन्यजीव संस्थान देहरादून द्वारा जारी बाघ गणना के अनुसार पेंच नेशनल पार्क में वर्ष 2006 में 33 बाघ थे, जो कि वर्ष 2010 में बढ़कर 54 हो गए थे। वन्यजीव संस्थान ने वर्ष 2014 में बाघ की गणना करवाई और उसकी रिपोर्ट विगत दिनों जारी किया। जारी रिपोर्ट के अनुसार पेंच में 43 बाघ ही शेष है। यानि 11 बाघ दो साल में कम हो गए। दिलचस्प पहलू यह है कि मुख्य वन्य प्राणी अभिरक्षक कार्यालय की अधिकृत रिपोर्ट के अनुसार पेंच नेशनल पार्क में 30 नवम्बर 14 को 4 वर्षीय सिवनी बाघिन की संदिग्ध मौत हुई। इसी प्रकार 9 अगस्त 15 में सिवनी बाघ और 31 जनवरी 16 को बाघ और 28 मार्च 16 एक मादा और दो शावक की मौत हो गई है। अब सवाल यह उठता है कि पेंच नेशनल पार्क में गत 3 सालों में पांच बाघों की मौत की पुष्टि पीपीसीएफ वन्य प्राणी कार्यालय कर रहा है किन्तु 6 बाघ कहां गायब हो गए, यह यक्ष प्रश्न बना हुआ है। इसका जवाब न तो पीपीसीएफ वन्य प्राणी को है और न ही पार्क प्रबंधन कुछ कह पाने की स्थिति में नहीं है। इसी प्रकार सतपुड़ा नेशनल पार्क में 2012 में हुई गणना की तुलना में वर्तमान में 17 बाघ कम हुए है।

अखिल भारतीय बाघ गणना

लैंड स्केप नाम	2006	2010	2014
कान्हा	89	60	80
बांधवगढ़	47	59	63
पेंच	33	54	43
पन्ना	24	03	17
सतपुड़ा	39	43	26

'वर्ष 2010 में रेंज के आधार पर बाघों की गणना की थी, जबकि 2014 की गणना कैमरा ट्रेप के जरिए आकड़ों के आधार पर की गई है। इसके कारण आकड़ों में अंतर आ रहा है।

' रवि श्रीवास्तव,
मुख्य वन्य प्राणी अभिरक्षक